sewage into the river. Drinking water supplied by the Delhi water Supply & Sewage Disposal Undertaking is wholesome and potable an conforms to the standards laid down by the Government. Further, in order to check supply of contaminated water, the Delhi water Supply & Sewage Disposal undertaking has launched a. programme to replace corroded water pipes and removal of unauthorised on-line booster pumps by individual house owners.

मध्य प्रदेश की मकसूदनगढ जलाशय सिंचाई परियोजना

5584 **श्री राघवजी** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश की मकसूदनगढ़ जलाशय सिंचाई योजना के अन्तर्गत उस बांध का निर्माण किस जिले में किया जाना प्रस्तावित है, जिसका हाल ही में शिलान्यास किया गया था तथा इस परियोजना की सिंचाई क्षमता कितनी है और इससे किन-किन जिलों को कितना-कितना लाभ पहुंचने की संभावना है ;

(ख) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि इस प्रयोजनार्थ प्रस्तावित स्थान डूब में आने वाला है और उस स्थान पर कीमती सागौन का वन है, यदि हां, तो बांध का निर्माण पूरा हो जाने पर कितने वृक्षों तथा कुल कितने हैक्टेयर भूमि के डूब में आने की संभावना है ; और

(ग) उपर्युक्त योजना को कब स्वीकृति प्रदान की गई थी और उपरोक्त कारकों को नजरअंदाज करने के क्या कारण हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) मध्य प्रदेश सरकार ने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत विदिशा जिले में मकसूदनगढ़ सिंचाई परियोजना के निर्माण के लिये 129.53 है० वन भूमि के अंतरण संबंधी एक प्रस्ताव भेजा था । इस प्रस्ताव के अनुसार सिंचाई वाला क्षेत्र गूना जिले में पड़ता है । इस परियोजना का कुल कमान क्षेत्र 2725.00 है० है ।

(ख) इस पूरे वन क्षेत्र की वनस्पतियों में अन्य विविध प्रजातियों के अलावा मुख्य रुप से सागौन है । प्रभावित वृक्षों की कुल संख्या 76,000 है । डूबने वाला संभावित वन क्षेत्र 121.89 है० है ।

(ग) वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत मकसूदनगढ़ सिंचाई परियोजना को औपचारिक अनुमोदन 20 अप्रैल, 1993 को दिया गया था । इस प्रस्ताव पर निर्णय वनस्पतिजात और प्राणिजात पर इस परियोजना के संभावित प्रभावों तथा संगत जानकारी पर सावधानीपूर्वक विचार करने के पश्चात लिया गया है ।

Loss of Forest Wealth due to fire in the country

5585. SHRI GOVINDRAO ADIK: SHRI V. GOPALSAMY:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what is the number of fires that took place in the forests in the country, State-wise and particularly in the Western Ghats of Tamil Nadu and Kerala during the last three years;

(b) the year-wise and State-wise figures thereof;

(c) how many were major fires among them;

(d) how much forest wealth has been lost in these fires; and

(e) what steps are being taken to prevent forest fire with details thereof?